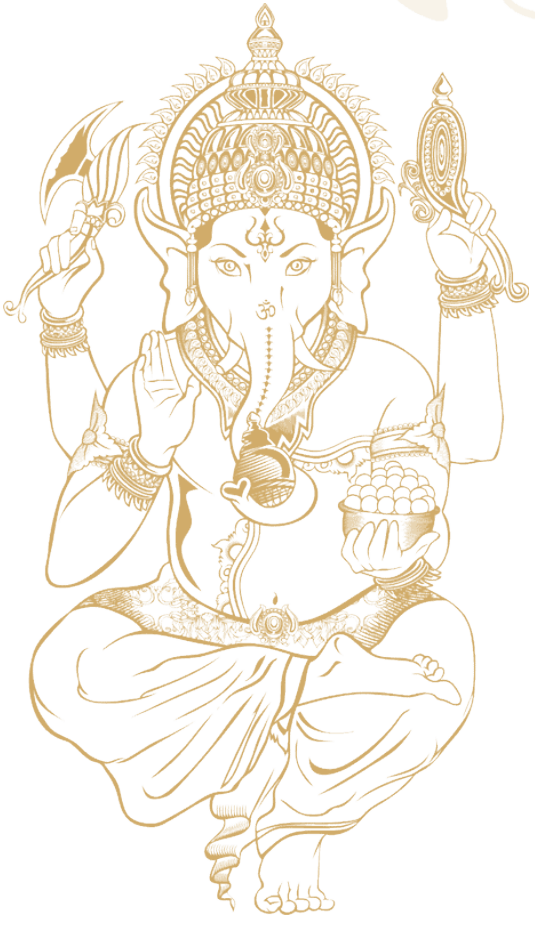

Khushi Kumari

21 Jul 2007

08:09 AM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121240204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/07/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:09:00 घंटे**
इष्ट	07:21:01 घटी
स्थान	**Ramgarh**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:37:00 उत्तर
रेखांश	85:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:21:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल	04:15:06 घंटे
सूर्योदय	05:12:35 घंटे
सूर्यास्त	18:35:32 घंटे
दिनमान	13:22:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:01:58 कर्क
लग्न के अंश	12:07:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:07:57	325:55:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	04:01:58	00:57:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	21:22:43	11:53:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	24:33:54	00:41:09	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			मिथु	13:50:49	00:58:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	16:24:16	00:03:04	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	08:10:43	00:14:22	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	00:36:05	00:07:07	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	13:47:32	00:00:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:47:32	00:00:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:26:04	00:01:15	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:17:25	00:01:28	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	02:53:59	00:01:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	11:43:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:52

लग्न-चलित

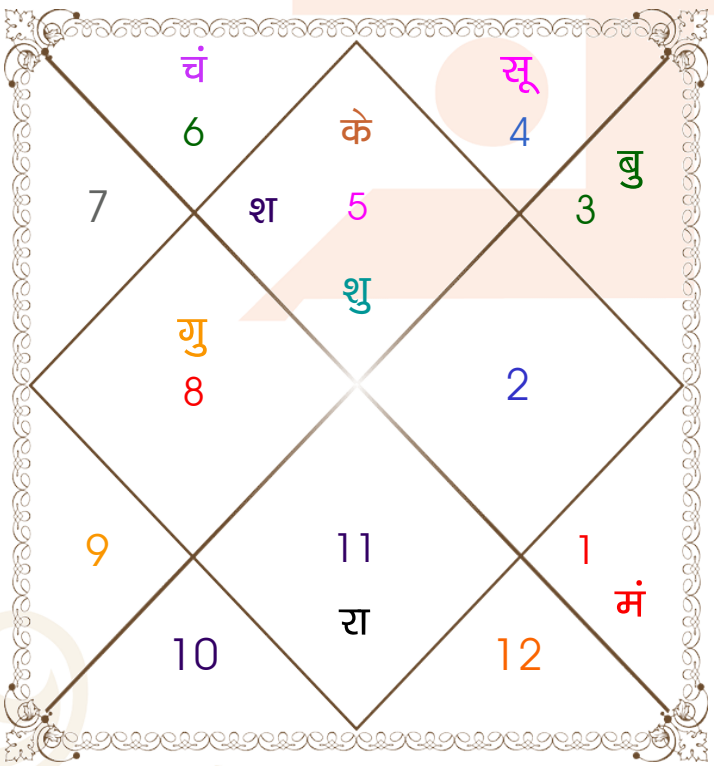

चन्द्र कुंडली

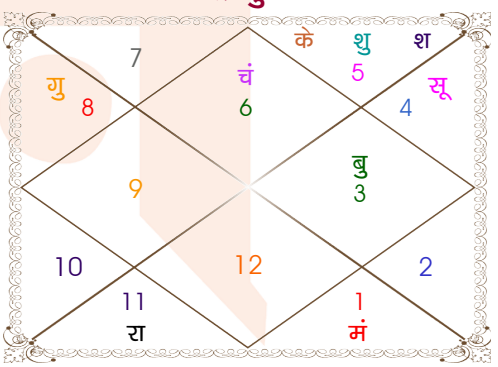

नवमांश कुंडली

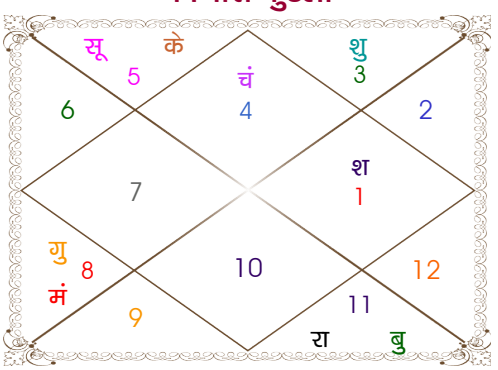

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 5 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/07/2007		06/01/2009		07/01/2016		07/01/2034		07/01/2050	
06/01/2009		07/01/2016		07/01/2034		07/01/2050		06/01/2069	
	00/00/0000	मंगल	04/06/2009	राहु	19/09/2018	गुरु	25/02/2036	शनि	09/01/2053
	00/00/0000	राहु	23/06/2010	गुरु	12/02/2021	शनि	07/09/2038	बुध	19/09/2055
	00/00/0000	गुरु	30/05/2011	शनि	20/12/2023	बुध	13/12/2040	केतु	28/10/2056
	00/00/0000	शनि	08/07/2012	बुध	08/07/2026	केतु	19/11/2041	शुक्र	29/12/2059
	00/00/0000	बुध	05/07/2013	केतु	27/07/2027	शुक्र	20/07/2044	सूर्य	10/12/2060
	00/00/0000	केतु	01/12/2013	शुक्र	26/07/2030	सूर्य	08/05/2045	चंद्र	11/07/2062
	21/07/2007	शुक्र	31/01/2015	सूर्य	20/06/2031	चंद्र	07/09/2046	मंगल	20/08/2063
शुक्र	08/07/2008	सूर्य	08/06/2015	चंद्र	19/12/2032	मंगल	14/08/2047	राहु	26/06/2066
सूर्य	06/01/2009	चंद्र	07/01/2016	मंगल	07/01/2034	राहु	07/01/2050	गुरु	06/01/2069

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/01/2069		07/01/2086		06/01/2093		07/01/2113		08/01/2119	
07/01/2086		06/01/2093		07/01/2113		08/01/2119		00/00/0000	
बुध	05/06/2071	केतु	05/06/2086	शुक्र	08/05/2096	सूर्य	27/04/2113	चंद्र	08/11/2119
केतु	01/06/2072	शुक्र	05/08/2087	सूर्य	08/05/2097	चंद्र	26/10/2113	मंगल	08/06/2120
शुक्र	02/04/2075	सूर्य	11/12/2087	चंद्र	07/01/2099	मंगल	03/03/2114	राहु	08/12/2121
सूर्य	06/02/2076	चंद्र	11/07/2088	मंगल	09/03/2100	राहु	26/01/2115	गुरु	09/04/2123
चंद्र	08/07/2077	मंगल	07/12/2088	राहु	10/03/2103	गुरु	14/11/2115	शनि	07/11/2124
मंगल	05/07/2078	राहु	25/12/2089	गुरु	08/11/2105	शनि	26/10/2116	बुध	09/04/2126
राहु	22/01/2081	गुरु	01/12/2090	शनि	07/01/2109	बुध	02/09/2117	केतु	08/11/2126
गुरु	29/04/2083	शनि	10/01/2092	बुध	08/11/2111	केतु	08/01/2118	शुक्र	22/07/2127
शनि	07/01/2086	बुध	06/01/2093	केतु	07/01/2113	शुक्र	08/01/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।